श्रेष्ठ कर्म ही आधार, श्रेष्ठ जीवन का

ज्ञानसरोवर। कोई भी अपनी श्रेष्ठ करनी से ही प्रख्यात होता है। करनी को सुधारने की ज़रूरत है। करनी सुधरेगी राजयोग के अभ्यास से। परमात्मा शिव ने प्रजापिता ब्रह्मा के माध्यम से महिलाओं को ही नए विश्व का आधार बनाया। आज 80 वर्षों के बाद पारमात्मा का यह ज्ञान दुनिया भर में फ़ैल चुका है। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ के महिला प्रभाग द्वारा आयोजित 'महिलाओं का सर्वांगीण विकास' विषयक अखिल भारतीय सम्मेलन में राजयोगिनी चक्रधारी दीदी, सम्मेलन की अध्यक्षा ने व्यक्त किये।

महिला सम्मेलन में सम्बोधित करते हुए डॉ. एन्थोनी राजू,ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ ह्यूमन राइट्स के संस्थापक तथा वैश्विक अध्यक्ष। मंचासीन हैं ब्र.कु. डॉ. सविता, ब्र.कु. चक्रधारी, ब्र.कु. शीलू, डॉ. प्रमिला गुप्ता तथा ब्र.कु. मोहिनी।

उन्होंने कहा की दादियों के रूप में आज वे बहनें माताएं विश्व स्तर पर आध्यात्मिक लीडर्स के रूप में सर्व के जीवन को पवित्र बना रही हैं। आज भी यह कार्य जारी है।

ब्र.कु.शीलू,ब्रह्माकुमारीज़ राजयोग शिविर कार्यक्रमों की निदेशिक ने कहा कि एक शिक्षित नारी पूरे परिवार के विकास की धुरी है। नारी के विकास से ही विश्व का भी विकास संभव है। उन्होंने कहा कि भौतिक, मानसिक, बौद्धिक, भावनात्मक, नैतिक और आध्यात्मिक विकास से ही किसी भी नारी का सर्वांगीण विकास माना जायेगा, अन्यथा विकास अधूरा है।

नेत्रहीनता निवारण राष्ट्रीय कार्यक्रम,भारत सरकार की उप महानिदेशक डॉ. प्रमिला गुप्ता ने कहा कि इस सम्मेलन का विषय काफी समयानुकूल है। नारी का सर्वांगीण विकास एक बड़ी बात है। नारियों को आत्म विकास करना होगा। ब्रह्माकुमारीज़ की शिक्षाएं नारियों का सर्वांगीण विकास करेंगी, ऐसा मेरा पूर्ण विश्वास है।

डॉ. एन्थोनी राजू,ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ़ ह्यूमन राइट्स के संस्थापक तथा वैश्विक अध्यक्ष ने कहा कि मैं ब्रह्माकुमारीज़ का शुक्रगुज़ार हूँ कि आपने मुझे यहां अपना विचार रखने का अवसर दिया। नारियां मूल्यों की खान हैं, ईश्वर ने उनको ख़ास रीति से संवारा है। परंतु इसके साथ ही यदि आज के समय में नारियों का सशक्तिकरण हो तो संसार संवर जाएगा।

प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. डॉ. सविता ने कहा कि समाज व परिवार के माहौल को श्रेष्ठ बनाने के लिए नारी शक्ति को व्यर्थ की बातों को छोड़ अपनी आंतरिक क्षमताओं को बढ़ाने के बारे में सोचना चाहिए।

वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. मोहिनी,गंगानगर ने कहा कि नैतिक मूल्यों का विकास करने में महिलाओं को अपना मानसिक धरातल आध्यात्मिकता से भरपूर रखना चाहिए। इसके लिए राजयोग का अभ्यास ज़रूरी है।

सद्भावना से सर्व समस्याओं का अंत

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'गांवों के सर्वांगीण विकास' विषय पर त्रिदिवसीय सम्मेलन

ज्ञानसरोवर। ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा 'गांव के सर्वांगीण विकास का आधार-सद्भावना' विषय पर एक अखिल भारतीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. सरला दीदी ने कहा कि आध्यात्मिकता के आधार पर ही हम मन में सर्व के लिए सद्भावना भर सकेंगे। पूरी दुनिया के लिए मन में सद्भावना रखने से धरती माता धन्य होंगी और संसार को धन धान्य से परिपूर्ण कर देंगी। आत्मा के ज्ञान से सारे किसान जागृति को प्राप्त करेंगे।

डॉ. राम खर्चे,चेयरमैन,पूना कृषि संस्थान ने कहा कि जैसे अपने बच्चे के लिए प्राकृतिक रूप से सद्भावना बनी रहती है, वैसी ही सद्भावना सर्व के लिए होनी चाहिए। सद्भावना के अभाव में ही हम हर वर्ष काफी बड़े पैमाने पर बायो मास को नष्ट कर देते हैं - जला देते हैं, जबकि हम उनको कम्पोस्ट के रूप में प्रयोग में ला सकते हैं।

जय प्रकाश,उप निदेशक,पूसा कृषि शोध संस्थान ने सद्भावना की बात को वैज्ञानिक स्वरूप प्रदान करके जन जन तक पहुँचाने की ज़रूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मैंने यहां से सीखा कि सन्तुष्टता कैसे जीवन में प्राप्त की जा सकती है।

प्रदीप यादव,पूर्व कृषि मंत्री,उत्तर प्रदेश शासन ने कहा कि यहां का वातावरण बहुत सुन्दर है और मैं जीवन में पहली बार इतना प्रसन्न हुआ हूँ। सत्य पर चलने से सारी समस्यायों का अंत हो जाता है। हमारे किसान विपरीत परिस्थितियों को समझते हैं और उनसे बचना भी जानते हैं। अब सिर्फ सद्भावना अपने जीवन में अपनाकर दुनिया सुखमय बनाने में अपना योगदान देते रहें।

मध्य प्रदेश किसान कल्याण, कृषि मंत्री गौरीशंकर बिसेन ने कहा कि अध्यात्म से मूल्यों को निखार लिया जाए तो किसानों की आर्थिक उन्नति तीव्रगति से हो सकती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद जैविक व यौगिक खेती को बढ़ावा देना चाहिए। ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा गांव-गांव में किए जा रहे कार्य सार्थक सिद्ध हो रहे हैं।

सम्मेलन में सम्बोधित करते हुए म. प्र. किसान कल्याण कृषि मंत्री गौरीशंकर बिसेन। मंचासीन हैं ब्र.कु. किरण, राजयोगिनी ब्र.कु. सरला, राजयोगी ब्र.कु. राजू, ब्र.कु. राजेन्द्र तथा ब्र.कु. महेन्द्र ठाकुर।

गुजरात दाहोद शहर से आए इंडोजर्मन वाटरशेड मैनेजमेंट अध्यक्ष राजेश दवे ने कहा कि गांव के बेहतर - शेष पेज 6 पर

समाज सेवा में नि:स्वार्थ भाव को बनाए रखें

- **मांगने की आदत छोड़ो, सिर्फ बाँटो, जीवन यही है हमारा**
- **विज़न बड़ा हो, महान हो, ये हमारे लिए बहुत ज़रूरी है**

ज्ञानसरोवर। ब्रह्माकुमारीज़ के समाज सेवा प्रभाग द्वारा 'सदा सुखी एवं स्वस्थ समाज' विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय अखिल भारतीय सम्मेलन में समाज सेवा प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी ने सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए कहा कि सब सदा स्वस्थ रहें और सदा ख़ुशी में नाचते रहें - सभी का यही लक्ष्य रहता है। बगैर प्रेम के जीवन बेकार है, औरों को ख़ुशी प्रदान करने से ही ख़ुशी प्राप्त होती है, लेकिन आज हर कोई लेना तो चाहता है मगर देना नहीं चाहता।

मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के पी.एच.ई.डी. राज्य मंत्री सुशील कटारा ने कहा कि मैं हमेशा से ब्रह्माकुमारीज़ से सम्बद्ध होकर आनंदित होता रहा हूँ। हम सभी को मन लगाकर अपने दायित्व को ईमानदारी से निभाना चाहिए।

कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए राज्यमंत्री सुशील कटारा। मंचासीन हैं ब्र.कु. वंदना, ब्र.कु. प्रेम, ब्र.कु. अमीरचंद, ब्र.कु. संतोष दीदी तथा अन्य।

उन्होंने कहा कि त्याग में ही हमारा भाग्य है। मांगने की आदत ना रहे। समाज की सेवा के लिए अपना सब कुछ कुर्बान करें। सभी को ख़ुशी प्रदान करें।

समाज सेवा प्रभाग के उपाध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. अमीर चंद ने इस सम्मेलन का लक्ष्य बताया और कहा कि आप सभी समाजसेवी दुनिया की पीड़ा को महसूस करते हैं और उनकी मदद के लिए आगे आते हैं। आप इसीलिए अन्य लोगों से ख़ास हैं।

समाजसेवी सानु भाई कार्की,नेपाल ने कहा कि समर्पित, उत्तरदायी, ऊर्जावान लोग ही समाज की सेवा कर सकते हैं। समाजसेवियों को अपने विज़न के अनुरूप आगे बढ़ते रहना चाहिए। विज़न बड़ा हो, महान हो, ये ज़रूरी है।

विकास खोलिया,उपाध्यक्ष,अनुसूचित जाति आयोग,राजस्थान ने कहा कि सभी चाहते हैं कि सभी स्वस्थ और सुखी रहें - समाज भी स्वस्थ और सुखी रहे। मगर यह अध्यात्म और राजयोग से ही संभव होगा।

समाज सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक राजयोगी ब्र.कु. प्रेम ने आये हुए सभी मेहमानों का हार्दिक स्वागत किया। समाज सेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. अवतार ने मेहमानों का आभार प्रकट किया और उनको धन्यवाद दिया। ब्र.कु. वंदना ने मंच संचालन किया।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd Aug 2017
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।